ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol-3* Issue-3*April- 2018
Innovation The Research Concept

# नीमराना एक उभरते औधोगिक हब के रूप में और इस पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रभाव

**सत्येंद्र सिंह**
शोधार्थी,
भूगोल विभाग,
राजस्थान विश्वविद्यालय,
जयपुर, राजस्थान

**नरेंद्र सिंह यादव**
एसोसिएट प्रोफेसर,
भूगोल विभाग,
बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय,
अलवर, राजस्थान

**सारांश**

एक क्षेत्र का आर्थिक विकास अधिक उत्पादन के साथ अपने उद्योग क्रांति पर आधारित होता है। वर्तमान वैश्वीकरण का समय है। जिस क्षेत्र में सरकार के द्वारा उद्यमियों को जितनी अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं वहां निवेश उतना ही अधिक हो पाता है तथा वह क्षेत्र ग्रामीण से औद्योगिक क्षेत्र में परिवर्तित हो जाता है। विश्व की सारी सुख सुविधाओं का विकास हो जाता है। इस शोध लेख में शोधकर्ता ने निवेश केंद्र पर ध्यान केंद्रित किया है। नीमराना के उद्योग अधिक निवेश के कारण कैसे वहां विकसित हुए हैं एवं आर्थिक विकास हुआ है। निवेश और औद्योगिक विकास का सकारात्मक प्रभाव इस क्षेत्र पर पड़ा है का पता चला है।

**मुख्य शब्द :** औद्योगिक हब, मिनी जापान, निवेश, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश।

**प्रस्तावना**

भारत का मिनी जापान कहे जाने वाला नीमराना जो प्राचीन समय में एक ऐतिहासिक कस्बे के रूप में जाना जाता था जो भारत के मानचित्र में आज अपनी एक अलग पहचान देश के साथ–साथ विदेशों में भी रखता है जिसमें निवेश एक प्रभावी भूमिका निभा रहा है नीमराणा ग्लोबल सिटी में राजस्थान सरकार ने तथा जापानी औद्योगिक क्षेत्र के रूप में एमआईसी के दिग्गज जैसे डाइकिन, ज्वलवजं जैसी कंपनियां तथा शीर्ष निवेशक देशों में कोरियाई, ताईवान, इतालवी और जापानी कंपनियां द्वितीय चरण में आई हैं और इन विदेशी कंपनियों द्वारा अरबों डॉलर का विशाल विदेशी निवेश किया जा रहा है, पारले बिस्किट, हीरो मोटोकॉर्प, तेरी प्लस इंडिया, हैवेल्स अन्य राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक कंपनियों की औद्योगिक इकाइयां सफलतापूर्वक चल रही हैं, नीमराणा में सूत का सजावटी सामान, बियर, विद्युत मोटर, सीएफएल, ऑटो पार्ट्स, कंटेनर, सीट बेल्ट, एयर बैग, बैटरी इन्वर्टर आदि बनाए जाते हैं।

नीमराणा के निकट मालवाहक वाहनों के लिए हवाई अड्डा बनाने की घोषणा की गई है यहां ग्रीन फील्ड हवाई अड्डा बनाया जाएगा।

नीमराना औद्योगिक क्षेत्र राजस्थान का मुख्य औद्योगिक क्षेत्र है। ऐसी उद्यमियों के लिए एक प्राकृतिक मंजिल की तरह है जो अपनी उद्योग दिल्ली नोएडा जैसे महंगे तथा सघन क्षेत्रों से दूर लेकिन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयां लगाना चाहते हैं। समय के साथ नीमराना औद्योगिक क्षेत्र आवश्यक सुविधाओं के साथ आधुनिक औद्योगिक नगर में परिवर्तित हो रहा है।

**अध्ययन के उद्देश्य**

1. औधोगिक विकास के कारणों को जानना,
2. दिल्ली– मुंबई औद्योगिक गलियारा का यहां पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन,
3. औधोगिक श्रम व प्रबंधन का अध्ययन,
4. विभिन्न स्थापित उद्योगों में कंपनियों का अध्ययन,
5. निवेश के कारणों को जानना,
6. निवेश का विकास पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।

**नीमराना के औद्योगिक हब रूप में उभरने के कारण**

नीमराना उत्तर भारत के सबसे तेजी से बढ़ते औधोगिक केंद्रों में से एक है जो दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 पर रणनीति स्थान में पहले से ही कुछ शीर्ष जापानी, कोरियाई और भारतीय कंपनियों को आकर्षित किया है :

1. नीमराना एक विशाल विकास की क्षमता के साथ ग्लोबल सिटी के रूप में विकास कर रहा है जिसमें राज्य सरकार विश्व स्तरीय औद्योगिक आवासीय और संस्थागत परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए शाहजहांपुर नीमराना–बिहर–बेल्ट में ग्लोबल सिटी के रूप में 40000 एकड़ जमीन का

विकास कर रही है जिसमें 100000 लोगों की आवास जरूरतों को पूरा किया जा सकता है।

2. 2501 एकड़ में जापानी निवेश क्षेत्र या भारत के मिनी जापान कि दिल्ली– मुंबई औद्योगिक गलियारा (डीएमआईसी) से इसकी निकटता ।
3. परिवहन की सुविधा यह दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 से एवं दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई से मात्र 122 किलोमीटर दूर है जो इसे तीव्रता से जोड़ने की सुविधा प्रदान करता है।
4. प्रस्तावित हाई स्पीड मेट्रो परियोजना जो दिल्ली से अलवर गुड़गांव रेवाड़ी के माध्यम से गुजरेगी जिससे इसके विकास को बल मिला है ।
5. आधुनिक सुख सुविधाओं का होना जैसी शैक्षिक संस्थान, हॉस्पिटल, विद्युत की बेहतर व्यवस्था, ठोस अपशिष्ट निपटान, पर्याप्त जल आपूर्ति इत्यादि।

**निवेश को प्रोत्साहित करने की सरकार के उपाय**

**औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर**

औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने तथा जनता को औधोगिक इकाई स्थापित करने से संबंधित नियमों की जानकारी देने के लिए जिला एवं पंचायत समिति स्तर पर औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर आयोजित किए गए। वर्ष 2015–16 में दिसंबर 2015 तक 28 जिला स्तरीय एवं 174 पंचायत समिति स्तरीय शिविर आयोजित किए गए।

**राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना – 2010**

जिसके अंतर्गत उद्यमियों को स्टांप ड्यूटी भूमि कर कन्वर्जन चार्ज एवं विद्युत शुल्क में छूट एवं सहायता दी गई। इस योजना में वर्ष 2015–16 में माह नवंबर 2015 तक 181 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें 22692. 98 करोड़ के निवेश के लिए 91 आवेदन स्वीकार किए गए।

**राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना – 2014**

इस योजना में वर्ष 15–16 में नवंबर 2015 तक 252 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 8001. 47 करोड़ के निवेश के लिए 20646 आवेदन स्वीकार किए गए।

**निवेश संवर्धन ब्यूरो**

राज्य में बृहत निवेश को बढ़ावा देने के लिए निवेश संवर्धन ब्यूरो को नोडल एजेंसी के रूप में वर्ष 1991 में स्थापित किया गया जो अवधारणा से क्रियान्विति तक जानकारी प्रदान करने हेतु एक केंद्र के रूप में कार्य करता है। इसका मुख्य कार्य विभिन्न विभागों में निवेश में आ रही बाधाओं के शीघ्र निस्तारण की सुविधाएं प्रदान करता है।

एकल खिड़की व्यवस्था को वैधानिक दर्जा दिए जाने हेतु राजस्थान सिंगल विंडो एनी बिलिंग एंड क्लीयरेंस अधिनियम को संपूर्ण राजस्थान में लागू किया गया। वर्तमान में एकल खिड़की व्यवस्था के अंतर्गत केवल 10 करोड़ से अधिक के निवेश की परियोजनाओं को हाथ में लिया जाता है। उपरोक्त अधिनियम के तहत स्थापित ऑनलाइन सिंगल विंडो क्लीयरेंस व्यवस्था के माध्यम से दिसंबर 2015 तक 28930. 03 करोड़ की कुल 127 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जिनमें से 2186. 89 करोड रुपए के निवेश के 38 आवेदन पत्रों के संदर्भ में अपेक्षित मंजूरी जारी की जा चुकी है ।

**रिसर्जेंट राजस्थान पार्टनरशिप समिट – 2015**

राजस्थान को निवेश हेतु सर्वाधिक वरीयता वाला राज्य बनाने की प्रयासों के अंतर्गत जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में द्वितीय रिसर्जेंट राजस्थान पार्टनरशिप समिट का आयोजन 19–20 नवंबर 2015 को किया गया। निवेश प्रतिबद्धता के लिए वर्ष भर के किए गए प्रयासों का यह दो दिवसीय भव्य आयोजन था जिसने राजस्थान में निवेश की प्रबल संभावना को सिद्ध किया है। राज्य सरकार ने एक योजनाबद्ध तरीके से एक नीतिगत माहौल बनाया है ताकि निजी उद्योग क्षेत्र परिभाषित हो और राज्य में लाभदायक निवेश भी हो सके वित्तीय प्रोत्साहन की एक सामान पैक इसके अतिरिक्त निवेश को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र विशेष नीति तैयार की गई। इस समिट में विनिर्माण क्षेत्र में 40 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए जिनमें अनुमानित निवेश की मात्रा 11760 करोड रुपए और रोजगार अनुमानित 56698 मानव को मिलेगा तथा कुल 311 समझौता ज्ञापनों जिनमें अनुमानित निवेश 314575 करोड रुपए की थी हस्ताक्षरित किए गए जिसमें काफी अधिक निवेश प्रस्ताव नीमराणा औद्योगिक क्षेत्र को मिले।

**रीको द्वारा विशेष पार्क**

**जापानी पार्क**

रीको द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जापानी संस्था जापानी विदेशी व्यापार संघ (जेट्रो) के साथ एमओयू हस्ताक्षरित किया गया जिसके तहत जेट्रो के सहयोग से राजस्थान के नीमराणा औद्योगिक क्षेत्र में जापानी इकाइयां स्थापित की जाएगी। विभिन्न बहुराष्ट्रीय जापानी कंपनियां जैसे मितसुई, निस्सी न, डाइकिन, मित्सुबिशी एवं डायनीची कलर आदि ने इस औद्योगिक क्षेत्र में इकाई स्थापित करने के लिए पहले ही जमीन आवंटित करवा ली है। रीको द्वारा अब तक 45 जापानी कंपनियों को 472 एकड़ भूमि आवंटित की जा चुकी है जिनमें 39 इकाइयों में वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ कर दिया है। आवंटित भूमि लगभग 4222 करोड रुपए के निवेश प्रस्तावित है तथा लगभग 9170 व्यक्तियों के लिए रोजगार अवसर उपलब्ध होंगे दुनिया की सबसे बड़ी मानी जाने वाली स्टील कंपनी नियोन की एक यूनिट का कार्य भी निर्माणाधीन है जिस पर 300 करोड रुपए से अधिक का निवेश होने का अनुमान है।

**कोरियन निवेश क्षेत्र**

रीको ने कोरिया ट्रेड इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी के साथ एक एमओयू हस्ताक्षरित किया हुआ है। एस समझौता ज्ञापन के अनुसरण में गिलट में औद्योगिक क्षेत्र जिला अलवर में एक कोरियन निवेश जोन 2013 में बना था जो की भूमि आवंटन के लिए 10 मार्च 2015 को खोला गया।

**राजस्थान सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग नीति 2015**

इसके तहत राजस्थान में छोटे मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

नीमराणा में सिरेमिक हब विकसित किया गया है और निर्यात संवर्धन औद्योगिक पार्क की स्थापना की गई है ।

तालिका 1
बहुराष्ट्रीय कंपनियों एवं अन्य निगमित संस्थाओं द्वारा नीमराणा में निवेश

| क्रम संख्या | कंपनी का नाम | प्रोजेक्ट का नाम | निवेश राशि (करोड रुपए में) |
|---|---|---|---|
| 1 | Q- B- I- S- प्रोडक्ट लिमिटेड | लेदर शूज एवं लेदर फैशन एसेसरीज | 98.15 |
| 2 | मित्सुई प्राइम एडवांस कंपोजिट प्राइवेट लिमिटेड | पोलीप्रोपलीन कंपाउंडिंग यूनिट | 70 |
| 3 | निशन ब्रेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड | ब्रेक कंपोनेंट्स एंड एसेंबलीज | 64 |
| 4 | हैवेल्स इंडिया लिमिटेड | स्विच गियर लाइटिंग पिक्चर्स | 300 |
| 5 | अरिहंत फ्लोर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड | फूड प्रोसेसिंग (स्नैक्स) | 5 |
| 6 | डेकिन एयर कंडीशनिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड | एयर कंडीशनर | 120 |
| 7 | इमासन मैन्युफैक्चरिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड | गाड़ी व परिवहन मशीनों के लिए सीट डिवाइसेज | 10 |
| 8 | तेनजीकू होटल प्राइवेट लिमिटेड | जापानी कॉमन फैसिलिटीज सेंटर | 10 |
| 9 | सरिता गंगा फार्म प्राइवेट लिमिटेड | इंस्टिट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी | 35 |
| 10 | अक्षय अपेरेल्स | रेडीमेड गारमेंट्स नीमराणा | |
| 11 | जापान टेलीकॉम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड | सिस्टम इंटीग्रेशन नीमराणा | |

उपरोक्त तालिका में नीमराणा में बड़े–बड़े क्षेत्रों में निवेश के आंकड़े दिए गए हैं तथा काफी बड़ी मात्रा में छोटी छोटी कंपनियों में भी निवेश किया गया है जिनमें विभिन्न प्रकार के सामान निर्मित होते हैं। आधारभूत सुविधाओं से संबंधित काफी उत्पाद उत्पादित किए जाते हैं ।

निवेश किसी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को विकसित करने का साधन होता है जो नीमराणा के विभिन्न क्षेत्रों एवं समुदायों को जोड़ने का कार्य करता है किसी भी अर्थव्यवस्था में अवसंरचना को रीड की हड्डी माना गया है। कोई भी राज्य आधारभूत संरचना के विकास के बुनियाद से ही उच्च आर्थिक विकास प्राप्त कर सकता है।

नीमराणा की अवसंरचना में निरंतर वृद्धि हो रही है तथा इसने संबंधित क्षेत्र का परिदृश्य परिवर्तित कर दिया है। अधिष्ठापित क्षमता से ऊर्जा उत्पादन में प्रतिवर्ष वृद्धि हो रही है यही स्थिति सड़क तंत्र की भी है तथा सौर ऊर्जा का उत्पादन भी अधिक किया जा रहा है जो इस बात का संकेत है। यहां अक्षय ऊर्जा के स्रोत में भी ध्यान दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने यहां निजी उद्यमिता को विकसित करने के लिए रिसर्जेंट राजस्थान प्रारंभ किया जिसमें निजी उद्यमों के निवेशको को नीमराणा में अवसंरचना के परिदृश्य को पूर्णता विकसित करने के लिए आमंत्रित किया गया इसके सकारात्मक दूरगामी प्रभाव इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर पड़ेंगे।

**निष्कर्ष**

अतः कहा जा सकता है कि ऐतिहासिक कस्बा नीमराणा समय के साथ–साथ एक आधुनिक उद्योग नगर के रूप में परिवर्तित हो रहा है तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बहुराष्ट्रीय कंपनियां यहां निवेश करने को प्रोत्साहित हुई हैं और इसकी एक पहचान एक औद्योगिक हब के रूप में हुई है इस औद्योगिक नगरी में आधारभूत सुविधाओं के विकास के कारण लोगों के रहन सहन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है जो लोग पहले ग्रामीण स्तर पर जीवन जी रहे थे। वह शहरी सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं विकास की तीव्र गति को देखते हुए, बिल्डरों ने वह बहुत अपार्टमेंटों का निर्माण किया है और आर्थिक दृष्टि से कमजोर अल्प आय वर्ग के फ्लैट्स का भी निर्माण किया गया है। वर्तमान में यह नगर सभी सुख सुविधाओं युक्त है जो निकट भविष्य में इसके उदीयमान विकास को प्रोत्साहित करेगा।

**संदर्भ सूची**

1. *आर्थिक समीक्षा (2015–16) भारत सरकार, नई दिल्ली*
2. *आर्थिक समीक्षा( 2015–16) राजस्थान सरकार, जयपुर*
3. *आर्थिक समीक्षा(2014–15) राजस्थान सरकार, जयपुर*
4. *राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम लिमिटेड (रीको) जयपुर*
5. *नाथूराम का एल. एन. (2015) राजस्थान की अर्थव्यवस्था, कॉलेज बुक हाउस, जयपुर*
6. *भल्ला एल. आर. (2012) राजस्थान का भूगोल, कुलदीप पब्लिकेशन, नई दिल्ली*
7. *भट्ट टी. पी. (2013) भारतीय उद्योग में विकास और संरचनात्मक परिवर्तन*
8. *पपोलो टी. एस. (2012) सुधार अवधि के बाद रोजगार में वृद्धि*
9. *जिला दर्शन, उदयीमान राजस्थान, सूचना व जनसंपर्क कार्यालय, अलवर*
10. *शुक्ला आशीष (2009) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र अलवर में उद्योग*